अमर उ

गज़ल स्वयं को समझने का माध्यम : प्रो. फखरे आलम

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विवि के उर्दू विभाग में साहित्यिक कार्यक्रम बजमे अदब का आयोजन किया गया। विभागाध्यक्ष प्रो. फख़रे आलम ने कहा, गजल उन विषयों को शुद्ध करती है, जिनकी अभिव्यक्ति समाज में दोष मानी जाती है। इसीलिए गजल गायक कई विषयों, भावनाओं और अनुभूतियों को गजल के रूप में व्यक्त करते हैं, जिन्हें किसी अन्य माध्यम से व्यक्त करना कठिन लगता है। गजलें स्वयं को समझने और व्यक्त करने का माध्यम हैं। (संवाद)

प्रो. जयशंकर स्क्रीनिंग कमेटी में सदस्य बने

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय की कार्यपरिषद में सदस्य प्रो. जयशंकर पांडेय को सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय की स्क्रीनिंग कमेटी का सदस्य नियुक्त किया गया है।

वह इस समिति में उत्तर प्रदेश के एक मात्र व्यक्ति हैं। वर्तमान में वह बप्पा श्री नारायण वोकेशनल पीजी कॉलेज (केकेवी) में समाजशास्त्र विभाग के प्रमुख भी हैं। सदस्य नामित होने पर कुलपति प्रो. जेपी पांडेय ने शुभकामनाएं दी हैं। (संवाद)

भाषा विवि में हुआ उद्यमिता पर सेमिनार का आयोजन

तिजारत संवाददाता

लखनऊ। ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग व ग्लोबल यूनिवर्सिटी सिस्टम ठच्क्ट्ट यूनिवर्सिटी देहरादून के संयुक्त तत्वाधान में उद्यमिता/ स्टार्ट योर ओन बिज़नस विषय पर एक दिवसीय इंटरैक्टिव सेशन का आयोजन किया गया। प्रोग्राम का शुभारम्भ सरस्वती वंदना एवम दीप प्रज्वलन के साथ प्रारंभ हुआ। सेशन का स्वागत उद्बोधन वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. एहतेशाम अहमद द्वारा इंटरैक्टिव सेशन व प्रमुख वक्ता के परिचय देते हुए कहा कि यह प्रोग्राम का मुख्य रूप नई उम्र के बच्चों में कैसे एंटरप्रेन्योरशिप की अवधारणा का विकास हो पर केंद्रित है।प्रोग्राम में गेस्ट ऑफ हॉनर अनिरुद्ध

यादव जी रहे जिन्होंने सेशन की रुपरेखा और स्टार्टअप के भविष्य के बारे में बताया। इंटरैक्टिव सेशन की मुख्य अतिथि स्वरलीन कौर (UN speaker and Awardee, Padam shri Nominee) रही जिन्होंने स्टार्टअप के स्वरूप, आइडिया और कुछ प्रमुख स्टार्टअप सक्सेस स्टोरी जैसे टेक गार्डन, जोमैटो आदि के बारे में बताया साथ ही स्टार्टअप आइडिया के बारे में बताते हुए कहा कि जो किसी प्रॉब्लम्स का सॉल्यूशंस है वही आइडिया है एवं आइडिया ही किसी स्टार्टअप की नींव है। सेशन का संचालन डॉ ज़ैबून निसा (सहा. आचार्य) द्वारा किया गया। सेशन में वाणिज्य विभाग से साथ साथ अन्य विभागों के बच्चों सहित लगभग 70 बच्चों ने हिस्सा लिया। अंत में सेशन के सफल आयोजन हेतु सभागार में आए हुए समस्त आगंतुओं का धन्यवाद ज्ञापन कुलानुशासक डॉ. नीरज शुक्ला द्वारा किया गया। कार्यक्रम में डॉ वसी अहमद आज़म अंसारी (उर्दू विभाग), आफ़रीन फातिमा, डॉ. अनुभव तिवारी, रंजीत वर्मा,आएशा अलीम, सैय्यद अली ज़ुहैर ज़ैदी, शिवम चतुर्वेदी, स्टूडेंट कोऑर्डिनेटर में नमरा रफत, सफ़ीया, ज़ैनब, महजबी, रूबाब आदि लोग उपस्थित रहे।

यूजीसी नेट में मेधावियों ने भरी उड़ान

जागरण संवाददाता, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने यूजीसी-नेट और जेआरएफ परीक्षा में शानदार प्रदर्शन किया है। कुल 154 विद्यार्थियों ने सफलता हासिल की, जिसमें 107 ने नेट और 47 ने जेआरएफ उत्तीर्ण किया। इस शानदार प्रदर्शन के साथ लखनऊ विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है।

सबसे अधिक सफलता शिक्षा विभाग में मिली, जहां 37 विद्यार्थियों ने परीक्षा पास की। इनमें 26 ने नेट और 11 ने जेआरएफ पास किया। समाजशास्त्र विभाग में 20 ने नेट और छह ने जेआरएफ, जबकि व्यापार (कामर्स) विभाग में 18 ने नेट और आठ ने जेआरएफ में सफलता पाई। अंग्रेजी और आधुनिक यूरोपीय भाषाओं से 17 छात्र सफल हुए, जिनमें 15 नेट और दो जेआरएफ में पास हुए। कानून विभाग में पांच ने नेट, नौ ने जेआरएफ, हिंदी और आधुनिक भारतीय भाषाओं से सात ने नेट, उर्दू से चार ने नेट, दो ने जेआरएफ, पत्रकारिता से दो ने नेट, एक ने जेआरएफ, पश्चिमी इतिहास से दो ने नेट और दो ने जेआरएफ, भूगोल से एक ने नेट, योग से एक ने नेट, गृह विज्ञान से दो ने नेट, खाद्य प्रसंस्करण से एक ने नेट और आंकड़ों से दो ने नेट और सात ने जेआरएफ हासिल किया। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव के अनुसार, अभी तक केवल 15 विभागों के परिणाम ही उपलब्ध हो सके हैं। कई अन्य विभागों के डेटा अवकाश के कारण नहीं मिल पाए हैं। संभावना है कि और विद्यार्थियों की संख्या और हो सकती है।

154 विद्यार्थियों (लखनऊ विश्वविद्यालय के) ने मारी बाजी, 47 को जेआरएफ

केएमसी के विद्यार्थी नेट हुए सफल

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) में सफलता हासिल की है। इसमें बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन विभाग की छात्रा हला जमा ने नेट परीक्षा उतीर्ण कर पीएचडी प्रवेश के लिए योग्यता प्राप्त की। अंग्रेजी विभाग की मुस्कान सोनी ने भी नेट उत्तीर्ण की है, जबकि वाणिज्य विभाग की संजना सिंह ने नेट के साथ-साथ जेआरएफ (जूनियर रिसर्च फेलोशिप) भी उतीर्ण किया है। कुलपति प्रो. जेपी पांडेय ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई दी है।

नगर की महत्वपूर्ण खबरें
www.jagran.com पर पढ़ें

भाषा विवि में यूजी-पीजी पाठ्यक्रमों के नतीजे जारी

केएमसी भाषा विश्वविद्यालय में विषम सेमेस्टर परीक्षा के तहत स्नातक व परास्नातक के कई पाठ्यक्रमों के परिणाम जारी किए गए हैं। बीएससी बायोटेक्नॉलजी, बीए एलएलबी, एलएलबी व बीकॉम ट्रैवेल एण्ड टूर मैनेजमेंट प्रथम सेमेस्टर के नतीजे जारी हुए हैं।

भाषा वि.वि. ने क्रेडिट ट्रांसफर और ऑनलाइन शिक्षा के नए दिशा-निर्देशों को दी मंज़ूरी

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ में आज अकादमिक परिषद की बैठक का आयोजन कुलपति प्रो. जे. पी. पांडे की अध्यक्षता में किया गया। इस बैठक में विश्वविद्यालय की शैक्षणिक नीतियों में कई महत्वपूर्ण सुधारों को मंजूरी दी गई। बैठक की शुरुआत में कुलसचिव डॉ. महेश कुमार ने सभी सदस्यों का स्वागत किया और एजेंडे के बिंदुओं से अवगत कराया। परिषद ने छात्रों के लिए क्रेडिट ट्रांसफर, ऑनलाइन पाठ्यक्रमों और शोध कार्य से संबंधित विभिन्न प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान की, जिनका उद्देश्य शिक्षा के क्षेत्र में नवीनता और लचीलापन लाना है। बैठक में क्रेडिट ट्रांसफर और ऑनलाइन पाठ्यक्रम मोबिलिटी के दिशा-निर्देशों के कार्यान्वयन को स्वीकृति दी गई, जिससे छात्रों के लिए नामांकन की प्रक्रिया अधिक सुचारू और पारदर्शी होगी। विश्वविद्यालय ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (GC) द्वारा निर्धारित SWAYAM के माध्यम से ऑनलाइन शिक्षण पाठ्यक्रमों के लिए क्रेडिट फ्रेमवर्क, 2021 को भी अपनाने का निर्णय लिया। इससे विद्यार्थी SWAYAM, NPTEL और अन्य मान्यता प्राप्त MOOCs प्लेटफार्मों के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे। परिषद ने उत्तर प्रदेश उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशों के अनुरूप ऑनलाइन पाठ्यक्रमों की मैपिंग और क्रेडिट ट्रांसफर नीति को लागू करने का प्रस्ताव भी पारित किया। विद्यार्थियों के लिए पंजीकरण और आवेदन पत्रों की प्रक्रिया को सरल बनाने हेतु परिषद ने SWAYAM नोडल अधिकारी द्वारा प्रस्तावित फॉर्मेट को मंज़ूरी दी, साथ ही ऑनलाइन पाठ्यक्रमों में नामांकन की अनुमति प्रक्रिया को औपचारिक बनाने के लिए एक नया अनुमति पत्र जारी करने का निर्णय लिया गया। परिषद ने ऑनलाइन पाठ्यक्रमों की गुणवत्ता और कार्यान्वयन पर निगरानी रखने के लिए SWAYAM सलाहकार समिति के गठन को भी स्वीकृति दी। इसके अतिरिक्त, पीएच.डी. समन्वयक प्रो. एहतेशाम अहमद के प्रस्ताव पर परिषद ने पाँच शोधार्थियों को पीएच.डी. उपाधि प्रदान करने की घोषणा की। कुलपति प्रो. जे. पी. पांडे ने परिषद के निर्णयों की सराहना करते हुए कहा कि ये पहल विश्वविद्यालय में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने और छात्रों को वैश्विक मानकों के अनुरूप शिक्षा प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। उन्होंने यह भी कहा कि विश्वविद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार और तकनीकी प्रगति के प्रति प्रतिबद्ध है।

क्रेडिट ट्रांसफर व ऑनलाइन शिक्षा के नए दिशा-निर्देशों को मंज़ूरी

लखनऊ (एसएनबी)। हरदोई रोड स्थित भाषा विश्वविद्यालय में अकादमिक परिषद का आयोजन कुलपति प्रो.जे. पी.पांडे की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में विश्वविद्यालय की शैक्षणिक नीतियों में कई महत्वपूर्ण सुधारों को मंज़ूरी दी गई। परिषद ने छात्रों के लिए क्रेडिट ट्रांसफर, ऑनलाइन पाठ्यक्रमों और शोध कार्य से संबंधित विभिन्न प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान की, जिनका उद्देश्य शिक्षा के क्षेत्र में नवीनता और लचीलापन लाना है।

बैठक में क्रेडिट ट्रांसफर और ऑनलाइन पाठ्यक्रम मोबिलिटी के दिशा-निर्देशों के कार्यान्वयन को स्वीकृति दी गई, जिससे छात्रों के लिए नामांकन की प्रक्रिया अधिक सुचारू और पारदर्शी होगी। विश्वविद्यालय ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा निर्धारित स्वयंम के माध्यम से ऑनलाइन शिक्षण पाठ्यक्रमों के लिए क्रेडिट फ्रेमवर्क, 2021 को भी अपनाने का निर्णय लिया। इससे विद्यार्थी मान्यता प्राप्त मूक्स प्लेटफार्मो के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे। परिषद ने उत्तर प्रदेश उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशों के अनुरूप ऑनलाइन पाठ्यक्रमों की मैपिंग और क्रेडिट ट्रांसफर नीति को लागू करने का प्रस्ताव भी पारित किया।

विद्यार्थियों के लिए पंजीकरण और आवेदन पत्रों की प्रक्रिया को सरल बनाने हेतु परिषद ने स्वयंम नोडल अधिकारी द्वारा प्रस्तावित फॉर्मेट को मंज़ूरी दी, साथ ही ऑनलाइन पाठ्यक्रमों में नामांकन की अनुमति प्रक्रिया को औपचारिक बनाने के लिए एक नया अनुमति पत्र जारी करने का निर्णय लिया गया। परिषद ने ऑनलाइन पाठ्यक्रमों की गुणवत्ता और कार्यान्वयन पर निगरानी रखने के लिए स्वयंम सलाहकार समिति के गठन को भी स्वीकृति दी। इसके अतिरिक्त, पीएच.डी. समन्वयक एहतेशाम अहमद के प्रस्ताव पर परिषद ने पाँच शोधार्थियों को पीएच.डी. उपाधि देने की घोषणा की।

कुलपति प्रो.जे.पी.पांडे ने परिषद के निर्णयों की सराहना करते हुए कहा कि ये पहल विश्वविद्यालय में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने और छात्रों को वैश्विक मानकों के अनुरूप शिक्षा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने यह भी कहा कि विश्वविद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार और तकनीकी प्रगति के प्रति प्रतिबद्ध है। बैठक की शुरुआत में कुलसचिव डॉ.महेश कुमार ने सभी सदस्यों का स्वागत किया और एजेंडे के बिंदुओं से अवगत कराया। बैठक में प्रो.बलराज चौहान, प्रो. एस.पी.शुक्ला, प्रो.शालिनी सहित कई वरिष्ठ शिक्षाविद् उपस्थित रहे ।

आंध्र प्रदेश शिक्षा के प्रतिनिधि ने भाषा विवि में समर्थ प्रणाली देखी

यात्रा का उद्देश्य समर्थ प्रणाली के सफल कार्यान्वयन का अध्ययन करना था

लखनऊ, लोकसत्य। आंध्र प्रदेश सरकार के कॉलेजिएट शिक्षा आयुक्तालय के एक प्रतिनिधि मंडल ने सोमवार भाषा विश्वविद्यालय का दौरा किया। यात्रा का मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालय में समर्थ प्रणाली के सफल कार्यान्वयन का अध्ययन करना था। समर्थ एक एकीकृत ई-गवर्नेंस प्लेटफॉर्म है, जो उच्च शिक्षा संस्थानों में प्रशासनिक एवं अकादमिक प्रक्रियाओं को डिजिटल और सुगम बनाता है।

भाषा विश्वविद्यालय ने इस प्रणाली को प्रभावी ढंग से लागू किया है, जिससे प्रशासनिक कार्यों की दक्षता और पारदर्शिता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। प्रतिनिधि मंडल ने विश्वविद्यालय प्रशासन के साथ विस्तृत चर्चा की और समर्थ के विभिन्न पहलुओं, जैसे प्रवेश प्रक्रिया, छात्र प्रबंधन, परीक्षा प्रणाली और वित्तीय प्रशासन में इसके उपयोग पर जानकारी प्राप्त की। भाषा विश्वविद्यालय के नोडल अधिकारी डॉ अताउर रहमान ने परीक्षा नियंत्रक डॉ भावना मिश्रा के नेतृत्व में इस प्रणाली के प्रभाव और लाभों को साझा किया, जिससे भाषा विश्वविद्यालय में डिजिटल परिवर्तन को बढ़ावा मिल सका है । कुलपति प्रो जेपी पाण्डे ने कहा, हमें गर्व है कि भाषा विश्वविद्यालय 'समर्थ' के सफल कार्यान्वयन का उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। हमें खुशी है कि आंध्र प्रदेश सरकार के प्रतिनिधि यहां आकर इस मॉडल को समझ रहे हैं। हमें विश्वास है कि यह प्रणाली उच्च शिक्षा संस्थानों में प्रशासनिक प्रक्रियाओं को और अधिक कुशल बनाएगी।

Lucknow 05-02-2025

http://epaper.loksatya.com/

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक लोकसत्य

4

لوهيا نامه

URDU DAILY LOHIA NAMA LUCKNOW

Sunday 02 February, 2025

LUCKNO

E-mail lohianama@gmail con

لینگویج یونیورسٹی اور اتر پردیش کنگ فو ایسوسی ایشن کے مابین مفاہمت نامے پر دستخط

لکھنؤ(پریس ریلیز):
خواجہ معین الدین چشتی لینگویج یونیورسٹی اور اتر پردیش کنگ فو ایسوسی ایشن لکھنؤ کے مابین وائس چانسلر پروفیسر اجے تنیجہ کی زیر نگرانی ایک اہم مفاہمت نامے پر دستخط کیا گیا ہے۔ اس مفاہمت نامے کا بنیادی مقصد یہ ہے کہ طلبہ کے درمیان نہ صرف مقامی کھیلوں کو فروغ دینا بلکہ ان کھیلوں کے لئے ایک ماحول پیدا کرنا بھی ہے۔ چونکہ موجودہ عہد میں ہندوستانی حکومت مقامی کھیلوں کو فروغ دینے اور ان کی ترقی کے لئے بہتر ماحول فراہم کرنے پر زور دیتی ہے جس سے طلبہ کھیلوں کے ساتھ ہندوستان کی قدیم ثقافت کو بھی بہتر طور سمجھ سکیں گے۔ لینگویج یونیورسٹی نے ان کو نگاہ میں رکھتے ہوئے اتر پردیش کنگ فو ایسوسی ایشن لکھنؤ سے ایک معاہدہ کیا ہے اور اس معاہدے کے تحت کنگ فو ایسوسی ایشن علاقائی، قومی اور بین الاقوامی سطح پر یونیورسٹی کے طلبہ کو مقامی کھیلوں، صحت، اپنے دفاع کی مہارتوں اور ثقافتی ترقی کے لیے تربیت دے گی۔ اس معاہدے کے تحت کنگ فو ایسوسی ایشن لکھنؤ طلبہ کیلئے مختلف تربیتی پروگراموں کا انعقاد کرے گا جس سے طلبہ میں مقامی کھیلوں اور علاقائی ثقافت کا رجحان پیدا ہو سکے گا۔ اس مفاہمت نامے کے موقع پر ایم او یو کوارڈینیٹر ڈاکٹر نیرج شکلا، رجسٹرار ڈاکٹر مہیش کمار، افسر مالیہ ساجد اعظمی اور کنگ فو ایسوسی ایشن لکھنؤ کے جنرل سکریٹری گیان پرکاش ترپاٹھی موجود تھے۔

लखनऊ | मंगलवार • 25.02.2025
my city अमर उजाला 7

छात्रों ने जाना, कैसे साफ होता है पानी

लखनऊ। भाषा विवि में सिविल इंजीनियरिंग विभाग के द्वितीय व तृतीय वर्ष के छात्रों ने नगर निगम के जलकल विभाग के जल उपचार संयंत्र को देखा। विभाग के महेंद्र कुमार ने बताया कि जल उपचार संयंत्र कैसे गंदे पानी को शुद्ध करके पीने योग्य बनाता है और किस तरह से पानी के सही उपयोग से जल संकट को कम किया जा सकता है। (संवाद)

लखनऊ, मंगलवार, 25 फरवरी 2025 08 हिन्दुस्तान

विज्ञान प्रदर्शनी में दिखी छात्रों की वैज्ञानिक सोच

लखनऊ। केएमसी भाषा विवि में सिविल इंजीनियरिंग विभाग के द्वितीय और तृतीय वर्ष के छात्रों ने शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम के तहत नगर निगम के जलकल विभाग की ओर से संचालित जल उपचार संयंत्र का भ्रमण किया। छात्रों को जल उपचार प्रक्रिया और स्वच्छ जल आपूर्ति के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। जिससे वह जल संरक्षण और इसके उपयोग को समझ सकें। जलकल विभाग अधिकारी महेंद्र कुमार ने जल शोधन, प्रदूषण नियंत्रण के बारे में बताया।

लखनऊ, रविवार, 23 फरवरी 2025 08 हिन्दुस्तान

आरटीआई में मांगी गई सूचना नहीं देना अपराध

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में शनिवार को सूचना का अधिकार अधिनियम पर एक दिवसीय कार्यशाला हुई। मुख्य अतिथि राज्य सूचना आयुक्त मो. नदीम ने कहा कि सूचना का अधिकार आम आदमी का अधिकार है। लोकतंत्र के लिए अपीलीय और शिकायत जन सूचना के संदर्भ में मांगी गई सूचना देना अति आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ऐसा न करना आपराधिक श्रेणी में आता है।

आरटीआई आम आदमी का अधिकार: मो.नदीम

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में शनिवार को सूचना का अधिकार अधिनियम पर कार्यशाला हुई। मुख्य अतिथि राज्य सूचना आयुक्त मो. नदीम ने कहा कि सूचना का अधिकार आम आदमी का अधिकार है। ऐसे में मांगी गई सूचना उपलब्ध कराना अति आवश्यक है। ऐसा न करना आपराधिक श्रेणी में आता है। कार्यक्रम में विशिष्ट वक्ता आरटीआई ऑनलाइन एंड स्टेट रिसोर्सपर्सन डॉ. राहुल सिंह ने कहा कि छात्र आरटीआई के तहत सूचना प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने इसे मास्टर की टू गुड गवर्नेंस की संकल्पना का आधार बताया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. जेपी पांडेय, जनसूचना अधिकारी प्रो. मसूद फलाही, महेश कुमार आदि मौजूद थे। (संवाद)

प्रो. मुशीयर को नवोदय सम्मान

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। प्रोफेसर मुशीर अहमद को राष्ट्रीय सम्मेलन विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए समावेशन और समानता को बढ़ावा देना में नेशनल एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड, उत्तर प्रदेश राज्य शाखा, इंदिरा नगर, लखनऊ द्वारा नवोदय सम्मान से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें 14 फरवरी 2025 को कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (CII), विभूतिखंड, गोमती नगर, लखनऊ में आयोजित समारोह में प्रदान किया गया। उत्तर प्रदेश के माननीय उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने यह पुरस्कार सौंपा, जो प्रो. अहमद की उल्लेखनीय उपलब्धियों और शिक्षा में समावेशन को बढ़ावा देने की उनकी अथक प्रतिबद्धता को मान्यता प्रदान करता है। प्रोफेसर मुशीयर अहमद, जो ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ में बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन विभाग अध्यक्ष हैं। उनकी अद्वितीय शैक्षिक यात्रा और शिक्षा

में योगदान ने उन्हें अकादमिक क्षेत्र में एक अग्रणी व्यक्तित्व बना दिया है, और विशेष रूप से दिव्यांगजन के लिए वे एक प्रेरणा स्रोत हैं। नवोदय सम्मान के साथ 21,000 का पुरस्कार भी प्रदान किया गया, जो उच्च शिक्षा में समानता को बढ़ावा देने और विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए बाधाओं को तोड़ने के उनके सतत प्रयासों की सराहना करता है। पिछले वर्षो से, प्रो. अहमद समावेशी शिक्षा के लिए एक मजबूत अधिवक्ता रहे हैं और उन्होंने सुनिश्चित किया है कि दिव्यांग छात्रों को उचित सहायता और अवसर मिलें। पुरस्कार प्रदान करते हुए, बृजेश पाठक जी ने प्रो. अहमद की असाधारण उपलब्धियों की सराहना की और एक समावेशी समाज के निर्माण के महत्व पर जोर दिया, जहां सभी क्षमताओं वाले लोग समान अवसर प्राप्त कर सकें। उन्होंने प्रो. अहमद की संघर्ष, नेतृत्व और उत्कृष्टता की भावना को सराहा और कहा कि वे छात्रों और शिक्षकों के लिए प्रेरणा स्रोत बने रहेंगे। पुरस्कार प्राप्त करने पर, प्रो. मुशीयर अहमद ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे एक ऐसी दुनिया बनाने के लिए समर्पित हैं जहां हर बच्चे को, चाहे उनकी क्षमताएं कुछ भी हों, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले। उन्होंने यह भी कहा कि यह पुरस्कार न केवल उनकी व्यक्तिगत यात्रा का सम्मान करता है, बल्कि उन सभी लोगों के सामूहिक प्रयासों को भी स्वीकार करता है, जो समावेशी शिक्षा को वास्तविकता बनाने में जुटे हैं। नवोदय सम्मान यह याद दिलाता है कि समानता और समावेशन का मार्ग उन व्यक्तियों के समर्पण और दृढ़ संकल्प से तैयार होता है, जो समाज में परिवर्तन लाने के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं, और प्रो. अहमद इस दिशा में एक प्रेरणा बने हुए हैं।

भाषा विवि में हुआ परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम का सजीव प्रसारण

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ के अटल सभागार में प्रातः11:00 बजे माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम का सजीव प्रसारण किया गया जिसमें विश्वविद्यालय के सभी विभागों के छात्र उपस्थित रहे। माननीय प्रधानमंत्री जी ने कार्यक्रम में छात्रों के प्रश्नों के उत्तर दिये एवं परीक्षा के समय तनाव मुक्त रहने की सलाह दी उन्होने छात्रों के सर्वांगीण विकास पर जोर दिया। भाषा विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 जय प्रकाश पाण्डे जी के मार्गदर्शन में कार्यक्रम का सजीव प्रसारण सफलता पूर्वक किया गया। छात्रों द्वारा पूर्ण कार्यक्रम का सजीव प्रसारण ध्यानपूर्वक देखा गया। डीन, छात्र-कल्याण प्रो0 चन्दना डे के द्वारा परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम का सजीव प्रसारण सफलता पूर्वक कराया गया। कार्यक्रम में प्रो0 फखरे आलम, डॉ0 तत्हीर फातिमा, डॉ. रुचिता सुजॉय चौधरी, डॉ0 पूनम चैधरी, डॉ0 मजहर खालिक, डॉ. शचींद्र शेखर, डॉ. काज़िम रिज़वी और डॉ0 स्वेता अग्रवाल सहित सभी शिक्षक और विद्यार्थी भारी तादाद में उपस्थित रहे।

ख्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्विद्यालय लखनऊ में हुआ फाईनाईट एलिमेंट मेथड पर व्याख्यान का आयोजन

सिटीज़न वॉयस, संवाददाता

लखनऊ। ख्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्विद्यालय लखनऊ में 8 फ़रवरी 2025 को विश्विद्यालय परिसर में फाईनाईट एलिमेंट मेथड पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान के मुख्य वक्ता के रूप में एस0एल0बी0, भारत के डॉ0 सय्यद मुस्तफा काजिम रहे7 कार्यक्रम के आरंभ में यांत्रिकी विभाग के सहायक आचार्य और इस कार्यशाला के सयोजक डॉ.सैयद असगर हुसैन रिज़वी ने विषय का परिचय दिया।

विषय पे चर्चा करते हुए डॉ0 मुस्तफा ने व्याख्यान में प्रतिभाग लेने वाले विद्यार्थियों को फाईनाईट एलिमेंट मेथड और इससे सम्बंधित अनुसंधान के बारे में विवरण देते हुए उसकी उपयोगिताएं समझाई 7 इसी क्रम में आगे बढ़ते हुए उन्होंने फाईनाईट एलिमेंट मेथड का विभिन्न यांत्रिकी इकाइयों में उपयोग समझाते हुए इस व्याख्यान को समापन की ओर ले गए 7

इस व्याख्यान का समापन संकाय के निदेशक डॉ राजेंद्र कुमार त्रिपाठी ने धन्यवाद ज्ञापन से किया।

कार्यशाला के आयोजन में विशेष सहयोग विभाग के सहायक आचार्य ई. विवेक बाजपाई ,ई. सत्येंद्र कुमार शुक्ला, ई. उन्नी किसन , ई. बीरेंद्र कुमार, ई. शकील अली एवं यांत्रिकी के छात्र-छात्राओं का रहा।

विद्यार्थियों ने किया शैक्षिक भ्रमण

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। कुलपति प्रो. जे. पी. पाण्डेय के कुशल निर्देशन में ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ की फैकल्टी ऑफ फार्मेसी के डी. फार्मा प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों ने शैक्षिक गतिविधियों के अंतर्गत भारतीय प्रबंधन संस्थान (IIM) लखनऊ में स्थापित सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का भ्रमण दिनांक 6 फरवरी 2025 को किया। इस शैक्षिक भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण, जल प्रबंधन, और अपशिष्ट निपटान की आधुनिक तकनीकों की जानकारी प्रदान करना था। डॉ. आयुष्मान गुप्ता, अधिशासी अभियंता (सिविल) के मार्गदर्शन में छात्रों को अपशिष्ट जल शोधन प्रक्रिया, जैविक और रासायनिक उपचार विधियों, तथा पुनर्चक्रण (रीसाइक्लिंग) के महत्व पर व्याख्यान दिया गया। छात्रों ने सीवेज ट्रीटमेंट के विभिन्न चरणों जैसे स्क्रीनिंग, सेडेटेशन, एयरेशन, और स्लज मैनेजमेंट का प्रत्यक्ष अवलोकन किया।

इस अवसर पर विद्यार्थियों ने प्लांट की कार्यप्रणाली को नजदीक से देखा और विशेषज्ञों से तकनीकी प्रश्न पूछकर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान भी किया। छात्रों ने जल संरक्षण के महत्व और फार्मेसी क्षेत्र में इसके अनुप्रयोगों के बारे में गहन जानकारी प्राप्त की। विद्यार्थियों के साथ सहायक आचार्य विनोद कुमार, वरुणा, दिव्यानी सिंह एवं अमर कुमार मिश्रा भी उपस्थित रहे। उन्होंने छात्रों को इस प्रकार के व्यावहारिक अनुभवों के महत्व पर बल दिया और कहा कि ऐसे भ्रमण विद्यार्थियों के सैद्धांतिक ज्ञान को व्यावहारिक दृष्टिकोण से जोड़ने में सहायक होते हैं। फैकल्टी ऑफ फार्मेसी की निदेशक प्रो. शालिनी त्रिपाठी ने इस प्रकार के शैक्षिक भ्रमण को छात्रों के सर्वांगीण शैक्षिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक बताया। उन्होंने कहा कि इस तरह की गतिविधियाँ न केवल छात्रों के ज्ञानवर्धन में सहायक होती हैं, बल्कि उनके व्यावसायिक दृष्टिकोण को भी विकसित करती हैं। प्रो. त्रिपाठी ने आगे कहा कि विश्वविद्यालय भविष्य में भी इस प्रकार के शैक्षिक एवं औद्योगिक भ्रमण आयोजित करता रहेगा ताकि विद्यार्थियों को नवीनतम तकनीकी और औद्योगिक प्रक्रियाओं से अवगत कराया जा सके। छात्रों ने भी इस शैक्षिक भ्रमण को अत्यंत लाभकारी और प्रेरणादायक बताया और विश्वविद्यालय प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

भाषा विश्वविद्यालय: विद्यार्थियों ने किया शैक्षिक भ्रमण

तिजारत संवाददाता

लखनऊ। कुलपति प्रो. जे. पी. पाण्डेय के कुशल निर्देशन में ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ की फैकल्टी ऑफ फार्मेसी के डी. फार्मा प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों ने शैक्षिक गतिविधियों के अंतर्गत भारतीय प्रबंधन संस्थान लखनऊ में स्थापित सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का भ्रमण दिनांक 6 फरवरी 2025 को किया। इस शैक्षिक भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण, जल प्रबंधन, और अपशिष्ट निपटान की आधुनिक तकनीकों की जानकारी प्रदान करना था। डॉ. आयुष्मान गुप्ता, अधिशासी अभियंता (सिविल) के मार्गदर्शन में छात्रों को अपशिष्ट जल शोधन प्रक्रिया, जैविक और रासायनिक उपचार विधियों, तथा पुनर्चक्रण (रीसाइक्लिंग) के महत्व पर व्याख्यान दिया गया। छात्रों ने सीवेज ट्रीटमेंट के विभिन्न चरणों जैसे स्क्रीनिंग, सेडेटेशन, एयरेशन, और स्लज मैनेजमेंट का प्रत्यक्ष अवलोकन किया।

इस अवसर पर विद्यार्थियों ने प्लांट की कार्यप्रणाली को नजदीक से देखा और विशेषज्ञों से तकनीकी प्रश्न पूछकर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान भी किया। छात्रों ने जल संरक्षण के महत्व और फार्मेसी क्षेत्र में इसके अनुप्रयोगों के बारे में गहन जानकारी प्राप्त की। विद्यार्थियों के साथ सहायक आचार्य विनोद कुमार, वरुणा, दिव्यानी सिंह एवं अमर कुमार मिश्रा भी उपस्थित रहे। उन्होंने छात्रों को इस प्रकार के व्यावहारिक अनुभवों के महत्व पर बल दिया और कहा कि ऐसे भ्रमण विद्यार्थियों के सैद्धांतिक ज्ञान को व्यावहारिक दृष्टिकोण से जोड़ने में सहायक होते हैं। फैकल्टी ऑफ फार्मेसी की निदेशक प्रो. शालिनी त्रिपाठी ने इस प्रकार के शैक्षिक भ्रमण को छात्रों के सर्वांगीण शैक्षिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक बताया। उन्होंने कहा कि इस तरह की गतिविधियाँ न केवल छात्रों के ज्ञानवर्धन में सहायक होती हैं, बल्कि उनके व्यावसायिक दृष्टिकोण को भी विकसित करती हैं। प्रो. त्रिपाठी ने आगे कहा कि विश्वविद्यालय भविष्य में भी इस प्रकार के शैक्षिक एवं औद्योगिक भ्रमण आयोजित करता रहेगा ताकि विद्यार्थियों को नवीनतम तकनीकी और औद्योगिक प्रक्रियाओं से अवगत कराया जा सके। छात्रों ने भी इस शैक्षिक भ्रमण को अत्यंत लाभकारी और प्रेरणादायक बताया और विश्वविद्यालय प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

भाषा विवि

कुलपति ने कुलसचिव को दिए निर्देश, जल्द शुरू होगा काम

कक्षाओं में लगाए जाएंगे सीसीटीवी कैमरे

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के सभी विभागों की कक्षाओं में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। इन कैमरों की मॉनीटरिंग कुलपति कार्यालय से होगी। इसका उद्देश्य कक्षाओं का नियमित संचालन और विद्यार्थियों और शिक्षकों की स्थिति को पता करना है।

इस संबंध में कुलपति ने कुलसचिव को निर्देश दिए हैं। भाषा विवि के प्रभारी कुलपति प्रो. जेपी पांडेय ने बीते दिनों कक्षाओं का औचक निरीक्षण किया था। इस दौरान कई शिक्षक अपनी कक्षा में नहीं थे। कुलपति ने मंगलवार को भी कक्षाओं में औचक निरीक्षण किया। इस दौरान ज्यादातर विभागों में कक्षाएं सुचारू मिलीं।

समर्थ पोर्टल की कार्यप्रणाली जानने भाषा विवि पहुंचा आंध्र प्रदेश का प्रतिनिधिमंडल। स्रोत - विवि

एकेडमिक काउंसिल की बैठक कल : भाषा विवि में बृहस्पतिवार को एकेडमिक काउंसिल की बैठक प्रस्तावित है। कुलपति की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में शैक्षिक कार्यों से जुड़े प्रस्तावों का अनुमोदन दिया जाएगा। विभागों में हुई बोर्ड ऑफ स्टडीज के प्रस्तावों को भी स्वीकृति दी जाएगी।

समर्थ को समझने तेलंगाना से आया दल

भाषा विश्वविद्यालय में समर्थ पोर्टल से होने वाले कार्यों की कार्यप्रणाली समझने के लिए मंगलवार को आंध्र प्रदेश सरकार में कॉलेजिएट शिक्षा आयुक्तालय का एक दल विवि पहुंचा। प्रवक्ता डॉ. रुचिता चौधरी ने बताया कि समर्थ ई-गवर्नेंस प्लेटफॉर्म है, जो प्रशासनिक एवं अकादमिक प्रक्रियाओं को डिजिटली तौर पर सुगम बनाता है। आंध्र प्रदेश से आए दल में डॉ. कविथा, डॉ मणि, श्रीरामजी, डॉ. भास्कर रेड्डी, डॉ. लक्ष्मण किशोर व डॉ. सुधाकर पी शामिल रहे।

भाषा विश्वविद्यालय में बीटेक और बीफार्मा का परिणाम घोषित

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय ने शुक्रवार को दो कोर्सों के परीक्षा परिणाम घोषित कर दिए। इनमें बीफार्मा व बीटेक लेटरल इंट्री में सिविल, मैकेनिकल, कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग और कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग एआईएमएल शामिल हैं। परीक्षा नियंत्रक डॉ. भावना मिश्रा ने बताया कि विद्यार्थी समर्थ पोर्टल पर लॉगिन आईडी और पासवर्ड से परिणाम देख सकते हैं। (संवाद)

भाषा विवि की टीम रवाना

लखनऊ : ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय की क्रिकेट टीम सोमवार को दिल्ली के लिए रवाना हुई। यह टीम दिल्ली विश्वविद्यालय में 10 से 19 फरवरी तक आयोजित नार्थ ज़ोन अंतर विश्वविद्यालय क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेगी। क्रीड़ा परिषद के उपाध्यक्ष डॉ. नीरज शुक्ला ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। (जासं)

भाषा विवि 'समर्थ' के सफल कार्यान्वयन का उदाहरण प्रस्तुत कर रहा : कुलपति

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। आंध्र प्रदेश सरकार के कॉलेजिएट शिक्षा आयुक्तालय के एक प्रतिनिधि मंडल ने आज भाषा विश्वविद्यालय का दौरा किया। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालय में 'समर्थ' प्रणाली के सफल कार्यान्वयन का अध्ययन करना था।

'समर्थ' एक एकीकृत ई-गवर्नेंस प्लेटफॉर्म है, जो उच्च शिक्षा संस्थानों में प्रशासनिक एवं अकादमिक प्रक्रियाओं को डिजिटल और सुगम बनाता है। भाषा विश्वविद्यालय ने इस प्रणाली को प्रभावी ढंग से लागू किया है, जिससे प्रशासनिक कार्यों की दक्षता और पारदर्शिता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। प्रतिनिधि मंडल ने विश्वविद्यालय प्रशासन के साथ विस्तृत चर्चा की और 'समर्थ' के विभिन्न पहलुओं, जैसे प्रवेश प्रक्रिया, छात्र प्रबंधन, परीक्षा प्रणाली और वित्तीय प्रशासन में इसके उपयोग पर जानकारी प्राप्त की। भाषा विश्वविद्यालय के नोडल अधिकारी डॉ अताउर रहमान ने परीक्षा नियंत्रक डॉ भावना मिश्रा के नेतृत्व में इस प्रणाली के प्रभाव और लाभों को साझा किया, जिससे भाषा विश्वविद्यालय में डिजिटल परिवर्तन को बढ़ावा मिल सका है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो जेपी पाण्डे ने कहा, हमें गर्व है कि भाषा विश्वविद्यालय 'समर्थ' के सफल कार्यान्वयन का उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। हमें खुशी है कि आंध्र प्रदेश सरकार के प्रतिनिधि यहां आकर इस मॉडल को समझ रहे हैं। हमें विश्वास है कि यह प्रणाली उच्च शिक्षा संस्थानों में प्रशासनिक प्रक्रियाओं को और अधिक कुशल बनाएगी। आंध्र प्रदेश के कॉलेजिएट शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने विश्वविद्यालय प्रशासन को इस जानकारीपूर्ण सत्र के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि वे यहां सीखी गई सर्वोत्तम प्रक्रियाओं को अपने संस्थानों में लागू करने का प्रयास करेंगे। प्रतिनिधि मण्डल में डॉ कविथा, डॉ मणि, रामजी, डॉ भास्कर रेड्डी, डॉ लक्ष्मण किशोर एवं डॉ सुधाकर पी शामिल रहे।

भाषा विवि में 'समर्थ' के कार्यान्वयन का अध्ययन करने पहुंचे आंध्र प्रदेश के कॉलेजिएट शिक्षा आयुक्तालय के प्रतिनिधि

कैम्पस 30's

ईवीएम मतदान पर छात्रों ने रखे विचार

लखनऊ। केएमसी भाषा विश्वविद्यालय में पत्रकारिता विभाग की ओर से ईवीएम बनाम मतपत्र : निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव विषय पर संसदीय बहस सत्र का आयोजन हुआ। इस सत्र में विभाग के सभी विद्यार्थियों ने प्रतिभाग कर विषय के पक्ष और विपक्ष में अपने तर्क प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ वक्ताओं को सम्मानित किया गया। विषय के पक्ष में छात्र सलमान ने प्रभावशाली तर्क प्रस्तुत किए, जबकि विपक्ष में अविशाकर, अर्शद और शहबाज ने अपने विचार रखे।